भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 16

उत्तर देने की तारीख 20 जुलाई, 2026

सोमवार, 29 आषाढ़, 1948 (शक)

महाराष्ट्र में पीएमकेवीवाई की स्थिति

†16. श्री अरविंद गणपत सावंत:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत वर्तमान में कार्य कर रहे कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों का ब्यौरा क्या है और पहुंच और दक्षता के मामले में अन्य राज्यों की तुलना में वे किस प्रकार से कार्य कर रहे हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान महाराष्ट्र में पीएमकेवीवाई के अंतर्गत जिला-वार कुल कितने नामांकन हुए हैं;

(ग) महाराष्ट्र में पीएमकेवीवाई के अंतर्गत कितने प्रतिशत प्रशिक्षकों ने अपना पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है;

(घ) क्या सरकार महाराष्ट्र में पीएमकेवीवाई स्नातकों द्वारा प्राप्त रोजगार और रोजगार के अवसरों का रिकार्ड रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) सरकार द्वारा कौशल प्रशिक्षण और लाभप्रद रोजगार के बीच के अंतर को पाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रशिक्षित युवाओं को उनके संबंधित क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त हो;

(च) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में पीएमकेवीवाई की प्रभावकारिता का कोई व्यापक मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या ऐसे मूल्यांकन के आधार पर कोई परिवर्तन किए जाने का प्रस्ताव किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) पीएमकेवीवाई का वर्तमान चरण, यानी पीएमकेवीवाई 4.0, एक मांग आधारित योजना है और इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्रों को संबंधित जिले की कौशल आवश्यकता के आधार पर संबद्धता और मान्यता प्राप्त है। 30.06.2026 तक, महाराष्ट्र में पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत छह कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र कार्यरत थे।

पीएमकेवीवाई 4.0 की शुरुआत से लेकर अब तक महाराष्ट्र राज्य में 1,20,612 प्रशिक्षित उम्मीदवारों में से कुल 74,927 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया जा चुका है। इस योजना के अंतर्गत अन्य राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में प्रशिक्षित और प्रमाणित उम्मीदवारों का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ख) महाराष्ट्र में पिछले तीन वित्त वर्षों और वर्तमान वित्त वर्ष में 30 जून 2026 तक पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत जिलावार नामांकन **अनुबंध-II** में दिए गए हैं।

(ग) 30 जून 2026 तक, पीएमकेवीवाई की शुरुआत से लेकर अब तक प्रशिक्षित कुल 13,37,900 उम्मीदवारों में से 78.26% उम्मीदवारों को महाराष्ट्र में प्रमाणित किया जा चुका है।

(घ) पीएमकेवीवाई के तहत, योजना के पहले तीन चरणों, यानी पीएमकेवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 (जो वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2021-22 तक लागू किए गए थे), में अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) घटक में प्लेसमेंट पर नज़र रखी गई थी। पीएमकेवीवाई 4.0 (जो वित्त वर्ष 2022-23 से लागू है) के तहत, प्लेसमेंट को इससे अलग कर दिया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षित उम्मीदवारों को उनके विविध कैरियर अवसर चुनने के लिए सशक्त बनाना है और उन्हें ऑन-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) के माध्यम से उद्योग से संबंधित कौशल पाठ्यक्रमों के द्वारा इसके लिए उपयुक्त रूप से तैयार करना है।

पीएमकेवीवाई के पहले तीन चरणों में, 30 जून 2026 तक महाराष्ट्र में कुल 80950 उम्मीदवारों को रोजगार मिलने की सूचना मिली है। योजनावार ब्यौरा इस प्रकार है:

योजना	**रोजगार पाने वाले**
पीएमकेवीवाई 1.0	10,844
पीएमकेवीवाई 2.0	69,061
पीएमकेवीवाई 3.0	1,045
कुल	**80,950**

(ङ) सरकार मांग-आधारित कौशलीकरण को बढ़ावा देकर और उद्योगों, व्यावसायिक संघों और निजी क्षेत्र के नियोक्ताओं के साथ घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से पीएमकेवीवाई के तहत रोजगार संबंधी संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें कौशल अंतर अध्ययन, जिला कौशल विकास योजनाओं (डीएसडीपी) के माध्यम से मांग का आकलन करना और उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण तैयार करने के लिए सेक्टर स्किल काउंसिल (एसएससी) के साथ सक्रिय सहयोग करना शामिल है। प्रमुख प्रयासों में क्षेत्र-विशिष्ट मांगों और चुनौतियों की गहरी समझ प्राप्त करने के लिए उद्योग परामर्श आयोजित करना, उच्च मांग वाले और उभरते/नए युग के कौशल क्षेत्रों की पहचान करना और उद्योगों को अवार्डिंग बॉडीज के रूप में सम्मिलित करना शामिल है।

एमएसडीई ने स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) लॉन्च किया है, जो एक एकीकृत प्लेटफॉर्म है और कौशल विकास, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता इको सिस्टम को आपस में जोड़कर प्रमुख हितधारकों को जीवनभर चलने वाली सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। प्रशिक्षित उम्मीदवारों का ब्यौरा सिद्ध पोर्टल पर उपलब्ध है, जिससे वे संभावित नियोक्ताओं से जुड़ सकते हैं। सिद्ध के माध्यम से, उम्मीदवार रोजगार और शिक्षुता के अवसरों तक पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, प्रमाणित उम्मीदवारों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए रोजगार मेले और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले (पीएमएनएएम) आयोजित किए गए हैं।

(च) एवं (छ) एमएसडीई गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पीएमकेवीवाई का समय-समय पर स्वतंत्र मूल्यांकन करता है। नीति आयोग द्वारा किए गए एक मूल्यांकन (अक्टूबर 2020) से पता चला कि सर्वेक्षण में शामिल लगभग 94 प्रतिशत नियोक्ताओं ने पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षित अधिक उम्मीदवारों को नियुक्त करने की इच्छा व्यक्त की। अध्ययन में यह भी पाया गया कि पूर्व अधिगम मान्यता (आरपीएल) घटक के तहत रोजगार प्राप्त करने वाले या प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 52 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अप्रमाणित समकक्षों की तुलना में अधिक वेतन प्राप्त करने या बेहतर आय की उम्मीद करने की सूचना दी। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) द्वारा किए गए पीएमकेवीवाई 2.0 के एक स्वतंत्र मूल्यांकन में पाया गया कि सर्वेक्षण में शामिल लगभग 70.5 प्रतिशत उम्मीदवारों को उनके वांछित कौशल सेक्टर में रोजगार मिला।

हाल ही में, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के एक स्वायत्त संस्थान, अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्त प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफ़एम) द्वारा महाराष्ट्र राज्य सहित पूरे देश में पीएमकेवीवाई 4.0 का एक स्वतंत्र तृतीय-पक्ष प्रभाव मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण ने एसटीटी उम्मीदवारों के रोजगार परिणामों में उल्लेखनीय सुधार लाने में योगदान दिया है। प्रशिक्षण से पहले नियोजित और स्व-नियोजित एसटीटी उत्तरदाताओं का संयुक्त हिस्सा 26.6% था, जो पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण के बाद बढ़कर 45.4% हो गया, जो 18.8 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्शाता है। आय संबंधी परिणाम भी सकारात्मक हैं, जिसमें 41.4% एसटीटी उम्मीदवारों और 48.9% आरपीएल उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण और प्रमाणन के बाद आय में वृद्धि दर्ज की है। कुल मिलाकर, पीएमकेवीवाई 4.0 ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन तक पहुंच को काफी हद तक बढ़ाया है और लाभार्थियों के एक बड़े हिस्से के लिए कौशल आत्मविश्वास, रोजगार भागीदारी और आय परिणामों में उल्लेखनीय सुधार किया है।

अनुबंध-I

दिनांक 20.07.2026 को लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 16 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार प्रशिक्षण परिणाम

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल प्रशिक्षित	कुल प्रमाणित
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	1,924	1,053
आंध्र प्रदेश	77,944	47,345
अरुणाचल प्रदेश	14,405	7,025
असम	127,380	72,075
बिहार	130,858	79,922
चंडीगढ़	1,290	913
छत्तीसगढ	25,652	16,089
दिल्ली	26,225	17,074
गोवा	431	339
गुजरात	61,875	37,567
हरियाणा	113,170	80,072
हिमाचल प्रदेश	28,808	19,868
जम्मू और कश्मीर	122,447	92,376
झारखंड	41,075	26,521
कर्नाटक	92,129	61,903
केरल	20,591	10,946
लद्दाख	757	526
लक्षद्वीप	120	0
मध्य प्रदेश	325,763	213,734
महाराष्ट्र	120,612	74,927
मणिपुर	25,156	15,539
मेघालय	12,852	6,242
मिजोरम	12,183	6,026
नागालैंड	13,369	7,044
ओडिशा	50,692	31,506
पुदुचेरी	6,006	3,602
पंजाब	142,002	110,297
राजस्थान	315,312	251,836
सिक्किम	5,726	1,962
तमिलनाडु	134,648	99,847
तेलंगाना	46,582	32,740
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	1,837	1,374
त्रिपुरा	24,061	14,196
उत्तर प्रदेश	574,931	412,151
उत्तराखंड	51,245	34,419
पश्चिम बंगाल	67,395	40,156
कुल	2,817,453	1,929,212

अनुबंध-II

दिनांक 20.07.2026 को लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 16 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

पिछले तीन वित्त वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान महाराष्ट्र में पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत जिलावार नामांकन

ज़िला	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2025-26	वित्त वर्ष 2026-27 (30 जून 2026 तक)
अहिल्यानगर	4,668	4,684	1,551	387
अकोला	1,277	99	0	0
अमरावती	4,271	913	235	0
बीड	1,463	600	0	0
भंडारा	1,465	1,675	0	0
बुलढाना	1,116	966	0	0
चंद्रपुर	1,316	765	28	0
छत्रपति संभाजीनगर	1,567	910	69	29
धराशिव	1,152	265	0	0
धुले	1,105	537	0	0
गडचिरोली	861	109	90	0
गोंडिया	1,222	1,791	0	0
हिंगोली	1,078	462	0	0
जलगांव	3,495	675	0	0
जालना	1,167	654	0	0
कोल्हापुर	3,873	3,322	0	0
लातूर	1,787	1,082	0	0
मुंबई	2,740	540	118	0
मुंबई उपनगर	4,950	106	0	0
नागपुर	10,253	2,620	662	42
नांदेड़	1,853	1,023	0	0
नंदुरबार	1,040	199	52	0
नासिक	9,044	5,496	2,006	0
पालघर	481	1,178	0	218
परभनी	1,165	2,662	0	0
पुणे	12,054	5,651	390	20
रायगढ़	1,448	494	67	444
रत्नागिरि	20	60	0	0
सांगली	1,743	1,033	0	0
सतारा	1,193	232	33	0
सिंधुदुर्ग	30	0	0	0
सोलापुर	3,218	564	0	0
थाणे	4,338	1,392	0	0
वर्धा	1,367	315	0	0
वाशिम	1,225	506	0	0
यवतमाल	1,973	100	0	0
कुल	93,018	43,680	5,301	1,140

*****